हिंदी विभाग

Course Outcomes

U.G.

- **बी.ए. पेपर क्र. I उपन्यास साहित्य**
    - उपन्यास साहित्य के अध्ययन के लिये प्रेरित करना।
    - हिंदी उपन्यास साहित्य से छात्रो को परिचित करा देना।
    - साहित्य समाज का दर्पण है। इसिलिये सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, साहित्यिक परिस्थिती से परिचित कराना।
    - उपन्यास साहित्य के आस्वादन एवं अभीरुची का परिष्कार करा देना।

- **बी.ए. पेपर क्र. II नाटक साहित्य**
    - हिंदी नाटक का परिचय कराते हुये रंगमंच का महत्व प्रतिपादित करना।
    - छात्रों की अभिनयगत कुशलता का विकास कराने हेतु आस्वादन और अभिरुची की वृद्धी।
    - नाटक का अध्ययन करने के बाद छात्र नाटक,सिनेमा के क्षेत्र में अपना योगदान देकर स्वयं का और समाज का हित साध्य कर सकते है।

- **बी.ए. पेपर क्र. III हिंदी गद्य साहित्य**
    - गद्य विधाओं से परिचित कराना।
    - छात्रों में वैचारिक क्षमता को बढावा देना या निर्माण करना।
    - जीवन मुल्यो के प्रति आस्था निर्माण करना और सभ्यता से अवगत कराना।
    - छात्रों में रूची बढाकर एक विचारशील लेखक की क्षमता निर्माण करना।

- **बी.ए. पेपर क्र. IV एकांकी साहित्य**
    - हिंदी एकांकी का परिचय कराते हुए रंगमंच के महत्व को प्रतिपादित करना।
    - अभिनय कुशलता का विकास करना।
    - आस्वादन और अभिरूचि की वृद्धी करना।
    - अभिनय से परिपक्व होकर छात्र रोजगार की चिंता से मुक्त हो सकते हैं।

- **बी.ए. पेपर क्र. V कथेत्तर गद्य साहित्य**
    - कथेत्तर गद्य की विधाओं से परिचित कराना।
    - छात्रों में वैचारिक क्षमता बढाना।
    - जीवन मुल्यों के प्रति आस्था निर्माण करना।
    - छात्रों में कथेत्तर गद्य साहित्य के प्रति रुचि बढाना।
    - छात्रों में एक विचारशील लेखक की क्षमता निर्माण करना।

❖ **बी.ए. पेपर क्र. VI प्रयोजन मूल्य हिंदी**

- हिंदी भाषा के विविध रूपों का पहलुओं का और पारिभाषिक शब्दो का परिचय करा देना।
- प्रयोजनमूलक एवं व्यावहारिक हिंदी के अध्ययन के माध्यम से रोजगार के अवसरों की जानकारी देना।
- व्यवहार ज्ञान की छात्रो में वृद्धी करा देना।
- शासकीय, निमशासकीय कार्यालायों में प्रयोग की जानेवाली भाषा से अवगत कराना।
- रोजगार के अवसरों से अवगत कराना।

❖ **बी.ए. पेपर क्र. VII आधुनिक हिंदी कविता**

- हिंदी कविता की परंपरा से छात्रो को अवगत कराना।
- छात्रो में कविता के प्रति रुचि निर्माण कराना।
- विचार करने की क्षमता को बढावा देना।
- जीवन मुल्यों के प्रति आस्था और सभ्यता से अवगत कराना।
- छात्रो में अच्छा कवी बनने की क्षमता बढाना।

❖ **बी.ए. पेपर क्र. VIII प्रयोजन मूलक हिंदी**

- हिंदी भाषा के विविध रूपों का पहलुओं का और पारिभाषिक शब्दावली का परिचय करा देना।
- अनुवाद का महत्व समझाकर अलग-अलग क्षेत्रो के रोजगार की जानकारी देना।
- व्यवहार ज्ञान की छात्रो में वृद्धी करा देना।
- शासकीय, निमशासकीय कार्यालायों में प्रयोग की जाने वाली भाषा से अवगत कराना।

❖ **बी.ए. पेपर क्र. IX प्रादेशिक भाषा साहित्य**

- प्रादेशिक भाषा से और साहित्य से अवगत कराना।
- संस्कृति और सभ्यता से परिचित कराना।
- प्रादेशिक भाषा के साहित्य में अभिरूचि बढाना।
- राष्ट्रीय एकात्मता की भावना को बढावा देना।
- राष्ट्रप्रेम की भावना को छात्रो में बढाना।
- जीवन मुल्यो में आस्था निर्माण कराना।

❖ **बी.ए. पेपर क्र. X आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास**

- साहित्येतिहास लेखन तथा परंपरा का अध्ययन कराना।
- इतिहास बोध का अध्ययन।
- ऐतिहासिक अध्ययन की दृष्टी का विकास करना।
- साहित्य और युगबोध के अंतरसंबंधों का अध्ययन करना।
- भाषा और साहित्य के बिते हुए कल का परिचय करा देना।
- ऐतीहासिक धरोहर से परिचित करना।

❖ **बी.ए. पेपर क्र. XI साहित्य शास्त्र**

- साहित्य निर्मिती विषयक संस्कारों का परिचय देकर साहित्यिक बनने की प्रेरणा देना।
- साहित्य चिंतन का अध्ययन कराना।
- साहित्यालोचन क्षमता का परिचय देना।
- साहित्यसृजन के लिये आवश्यक नियमो से अवगत कराना ।

❖ **बी.ए. पेपर क्र. XII प्रकल्प कार्य**

- छात्रो को संशोधन के लिये प्रेरित कराना।
- छात्रो में संशोधन प्रवृत्ति को बढावा देना।
- शोध निबंध के माध्यम से चिकीत्सक बुद्धि का विकास करना।
- छात्रो में आकलन क्षमता का विकास कराना।
- संशोधन सामग्री का ज्ञान बढाना।
- संशोधन कार्य की रुचि को बढाना।

❖ **बी.ए. पेपर क्र. XIII मध्यकालीन काव्य**

- मध्यकालीन काव्य की पृष्ठभूमि से परिचित करना।
- विविध काव्य धारा की विशेषताओ से अवगत कराना।
- भारतीय संस्कृति के उत्थान में मध्यकालीन कविता के योगदान से परिचित कराना ।
- मध्यकालीन सामाजिक राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक परिस्थितीयो का परिचय करा देना।
- काव्य इतिहास का परिचय करा देना।

❖ **बी.ए. पेपर क्र. XIV आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास**

- साहित्य और युगबोध के अंतरसंबंधो का अध्ययन करना।
- आधुनिक हिंदी साहित्य की परंपरा का अध्ययन करना।
- ऐतिहासिक साहित्यिक संदर्भ और आधुनिक साहित्य इनके परस्पर संबंध से परिचित करना।
- आधुनिक साहित्य के विविध विधा का परिचय देना।
- साहित्य के नये आयामो से अवगत कराना।

❖ **बी.ए. पेपर क्र. XV साहित्य शास्त्र**

- साहित्य निर्मिती विषयक संस्कारो का परिचय देकर साहित्यिक बनने की प्रेरणा देना।
- साहित्य चिंतन का अध्ययन कराना।
- साहित्य लेखन क्षमता का परिचय देना।
- साहित्य सृजन के लिये आवश्यक नियमों से अवगत कराना।

❖ **बी.ए. पेपर क्र. XVI प्रकल्प कार्य**

- छात्रो को संशोधन के लिये प्रेरित करना।
- छात्रो में संशोधन प्रवृत्ति को बढावा देना।
- शोध निबंध के माध्यम से चिकीत्सक बुद्धि का विकास करना।
- छात्रो में आकलन क्षमता का विकास कराना।
- संशोधन सामग्री का ज्ञान बढाना।
- संशोधन कार्य की रुचि को बढाना।

Course Outcomes

P.G.

हिंदी प्रथमसत्र

एम.ए.भाग-१ Semistar –I & II

- **प्रश्नपत्र क्रमांक : Hin-४०१ आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास**
  १) साहित्येतिहास लेखन तथा उसकी परम्परा का अध्ययन
  २) साहित्य और युग-बोध के संबंधो का अध्ययन
  ३) साहित्य अध्ययन की ऐतिहासिक दृष्टी का विकास
- **प्रश्नपत्र क्रमांक : Hin-४०२ भारतीय साहित्यशास्त्र**
  १) भारतीय साहित्य चिंतन का परिचय
  २) समीक्षात्मक दृष्टी का विकास
  ३) साहित्यासृजन, आस्वादन तथा मुल्यांकन क्षमता का विकास
- **प्रश्नपत्र क्रमांक : Hin-४०३ भक्तिकालीन काव्य**
  १) भक्तिकालीन कविता की पृष्ठभूमि का अध्ययन
  २) सगुण-निर्गुण काव्यधारा की विशेषताओं का अध्ययन
  ३) भारतीय संस्कृति के उत्थान में भक्तिकाव्य के योगदान का अध्ययन

*** वैकल्पिक प्रश्नपत्र – साहित्य वर्ग ***

- **प्रश्नपत्र क्रमांक : Hin-४२१ स्वतंत्रतापूर्व गद्य साहित्य**
  १) स्वतंत्रतापूर्व गद्य की परम्परा का परिचय
  २) कहानी-नाटक तथा निबंध विधा का अध्ययन
  ३) साहित्य आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

- **प्रश्नपत्र क्रमांक : Hin-४०४ आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास**
  १) आधुनिक हिंदी साहित्य की परम्परा का अध्ययन
  २) इतिहास-बोध का अध्ययन
  ३) ऐतिहासिक आलोचना का अध्ययन
  ४) साहित्य और युगबोध के अंतरसंबंधों का अध्ययन
- **प्रश्नपत्र क्रमांक : Hin-४०५ पाश्चात्य साहित्यशास्त्र**
  १) पाश्चात्य साहित्य चिंतन का परिचय
  २) अद्यतन आलोचना दृष्टी का अध्ययन
  ३) साहित्य सृजन,आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

❖ **प्रश्नपत्र क्रमांक : Hin-४०६ रीतिकालीन काव्य**

१) रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि का अध्ययन (दरबारी संस्कृति के परीप्रेक्ष्य में)

२) रीतिकाव्य का अध्ययन

३) रीतिकाव्य की विविध धाराओं का अध्ययन

*** वैकल्पिक प्रश्नपत्र – साहित्य वर्ग ***

❖ **प्रश्नपत्र क्रमांक : Hin-४२५ स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य**

१) स्वातंत्र्योत्तर गद्य साहित्य की परम्परा का परिचय

२) साहित्य आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

३) उपन्यास, आत्मकथा तथा कहानी विधा का अध्ययन

हिंदी पदव्युत्तर विभाग

एम.ए. II – Semistar –III & IV

❖ **प्रश्नपत्र क्रमांक : Hin-५०१ और ५०४ भारतीय साहित्य सत्र ०३ और ०४**

१) भारतीय साहित्य की अवधारणा का अध्ययन कराके उसके ज्ञान से अवगत कराना।

२) भारतीय भाषाओ के साहित्य के माध्यम से भारतीयता की पहचान कराना।

३) तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा का अध्ययन कराना।

❖ **प्रश्नपत्र क्रमांक : Hin-५०२ और ५०५**

१) भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन कराना।

२) भाषा-अध्ययन की प्रक्रिया का अध्ययन कराना।

३) भाषा अध्ययन के ऐतिहासिक परिदृश्य का अध्ययन।

❖ **प्रश्नपत्र क्रमांक : Hin-५०३ और ५०६**

१) स्वतंत्रतापूर्व हिंदी कविता के विकासक्रम का अध्ययन।

२) कविता के माध्यम से जन संवेदना का अध्ययन कराना।

३) स्वतंत्रतापूर्व काव्य-रूपों का अध्ययन कराना।

४) काव्यास्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास कराना।

❖ **प्रश्नपत्र क्रमांक : Hin-५२१ और ५४१**

१) प्रयोजनमूलक भाषा का सैद्धांतिक अध्ययन कराना।

२) प्रयोजनमुलक भाषा–कौशल का विकास कराना।

३) रोजगार परक कौशल का विकास कराना।

डॉ. टाळके ए.बी.

हिंदी विभागाध्यक्ष

भगवान महाविद्यालय,आष्टी

डॉ. वाघ डी.टी.

प्राचार्य

भगवान महाविद्यालय,आष्टी